यज्ञ की यह शुद्ध हवा , सब रोगों की है दवा।

**आयुर्वेदिषु यत्प्रोक्तं यस्य रोगस्य भेषजम्।**
**तस्य रोगस्य शान्त्यर्थं तेन तेनैव होमयेत्॥**

(पंचरत्नसारसारसंग्रह)

# आयुर्वेद ग्रन्थों में जिन रोगों के शमन के लिए जिन औषधियों का विधान है, उन-उन रोगों के शमन हेतु उन्ही औषधियों से हवन करें।

होतृषदनं हरितं हिरण्ययम् -अथर्व.-7.99.1 यज्ञकर्ता का घर सभी प्रकार के ऐश्वर्यों से भर जाता है।